ITC का कार्यात्मकता और अनविार्यता परीक्षण

प्रारंभकि परीक्षा:

[उच्चतम न्यायालय](), [इनपुट टैक्स क्रेडटि (ITC)](), [वस्तु एवं सेवा कर (GST)](), [करों का कैस्केडगि प्रभाव](), [उत्पाद शुल्क](), [वैट]।

मुख्य परीक्षा:

GST प्रणाली के तहत इनपुट टैक्स क्रेडटि (ITC) व्यवस्था की कार्यप्रणाली और इसके नहितिार्थ।

[स्रोत: द हिंदू]()

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [उच्चतम न्यायालय]() ने [वस्तु एवं सेवा कर (GST)]() व्यवस्था के अंतर्गत [इनपुट टैक्स क्रेडटि (ITC)]() की पात्रता के लयि **कार्यात्मकता और अनविार्यता परीक्षण (Functionality and Essentially Test)** नर्धिारति कयिा है।

- यह फैसला *[illegible], 2024 [illegible]*

ITC पर उच्चतम न्यायालय के फैसले की मुख्य बातें क्या हैं?

- **रयिल एस्टेट क्षेत्र के लयि ITC:** उच्चतम न्यायालय (SC) ने फैसला सुनाया कि रयिल एस्टेट क्षेत्र कार्यात्मकता और अनविार्यता परीक्षण के तहत **करिाए या पट्टे के प्रयोजनों** के लयि उपयोग कयि जाने वाले वाणजि्यकि भवनों के नरि्माण लागत पर **ITC का दावा कर सकता है।**
  - **इससे पहले ऐसी अचल संपत्ति के** नरि्माण पर ITC की अनुमति नहीं थी।
- **'संयंत्र और मशीनरी' श्रेणी पर स्पष्टीकरण:** न्यायालय ने स्पष्ट कयिा कि यदि किसी भवन का नरि्माण पट्टे या करिाये जैसी सेवाएँ प्रदान करने के लयि **आवश्यक है**, तो भवन **'संयंत्र और मशीनरी' की श्रेणी में आ सकता है।**
  - [यह केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (CGST) अधनियिम, 2017]() की **धारा 17(5)(d)** पर आधारति है, जो सेवाओं की आपूर्ति के व्यवसाय में प्रयुक्त संयंत्र और मशीनरी पर ITC दावों की अनुमति देता है।
  - न्यायालय ने **CGST अधनियिम, 2017 की धारा 17(5)(c) और (d) के दायरे को कम कर दयिा,** जो संयंत्र या मशीनरी को छोड़कर अचल संपत्ति के लयि उपयोग की जाने वाली नरि्माण सामग्री हेतु **ITC दावों पर रोक लगाता है।**
- **मामले की वशिष्टिता का नर्धिारण:** उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दयिा कि मॉल या गोदाम जैसी इमारत **धारा 17(5)(d) के तहत 'प्लांट' के रूप में योग्य है या नहीं, इसका नर्धिारण मामले के आधार** पर कयिा जाना चाहयि।
  - व्यवसाय की प्रकृति और पंजीकृत व्यक्ति के व्यवसाय में भवन की भूमकिा इस नर्धिारण में प्रमुख कारक हैं।

कार्यात्मकता और अनविार्यता परीक्षण क्या हैं?

- **कार्यक्षमता परीक्षण:** यह **मूल्यांकन करेगा** कि क्या भवन, कारखाने में संयंत्र और मशीनरी के कार्य के समान, **सेवाओं की आपूर्ति में भूमकिा नभिाता है।**
- **अनविार्यता परीक्षण:** उच्चतम न्यायालय ने माना कि वस्तुओं या सेवाओं की खरीद व्यवसाय संचालन के लयि **प्रत्यक्ष रूप से आवश्यक होनी चाहयि।**
  - इसका अर्थ यह है कि केवल उन वस्तुओं और सेवाओं पर ही कर लाभ या इनपुट टैक्स क्रेडटि (ITC) का दावा कयिा जा सकता है जो **प्रत्यक्ष रूप से संपत्ति विनिर्माण या वकिास के लयि आवश्यक हैं। उदाहरण के लयि सीमेंट, स्टील आदि।**

वस्तु एवं सेवा कर क्या है?

- **वस्तु एवं सेवा कर (GST):** GST एक मूल्य वर्धित कर प्रणाली **(एड वैलोरम टैक्स) है, जो** भारत में **वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति** पर लगाया जाता है।
  - यह एक व्यापक **अप्रत्यक्ष कर है,** जिसे भारत में **1 जुलाई 2017 को** 101 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2016 के माध्यम से **'एक राष्ट्र, एक कर'** के दृष्टिकोण के साथ लागू किया गया।
- **टैक्स स्लैब:** नियमित करदाताओं के लिये प्राथमिक GST स्लैब वर्तमान में **0% (शून्य-रेटेड), 5%, 12%, 18% और 28% हैं।**
- **GST परिषद:** GST परिषद एक **संवैधानिक निकाय है,** जो भारत में **GST कार्यान्वयन से संबंधित मामलों की सिफारिश करता है।** संविधान के **अनुच्छेद 279 A (1)** के अनुसार, राष्ट्रपति ने GST परिषद की स्थापना की।

GST के अंतर्गत इनपुट टैक्स क्रेडिट क्या है?

- **ITC: यह** GST प्रणाली के **मूलभूत तत्वों** में से एक है, जो व्यवसायों को उनके व्यवसाय में प्रयुक्त इनपुट पर **चुकाए गए करों के लिये क्रेडिट का दावा करने की अनुमति देता है।**
  - इसका तात्पर्य यह है कि उत्पादन पर कर का भुगतान करते समय, कोई व्यक्ति इनपुट पर **पूर्व से चुकाए गए कर को कम कर सकता है** और **शेष राशि का भुगतान कर सकता है।**
  - यह आपूर्ति शृंखला में निर्बाध एवं **निर्बाध ऋण प्रवाह को सक्षम बनाता है।**
  - यह केवल इनपुट के **मूल्य संवर्द्धन पर कर** लगाकर करों के व्यापक प्रभाव को **समाप्त करता है।**
- **ITC की कार्य प्रणाली:** जब कोई व्यक्ति कोई उत्पाद/सेवा की खरीद करता है, तो वह खरीद पर कर का भुगतान करता है और बेचने पर कर एकत्र करता है।
  - वह खरीद के समय चुकाए गए करों को **आउटपुट टैक्स (बिक्री पर कर) की राशि के साथ समायोजित करता है** और कर की शेष देयता (बिक्री पर कर में से खरीद पर कर घटाकर) सरकार को चुकानी होती है।

//

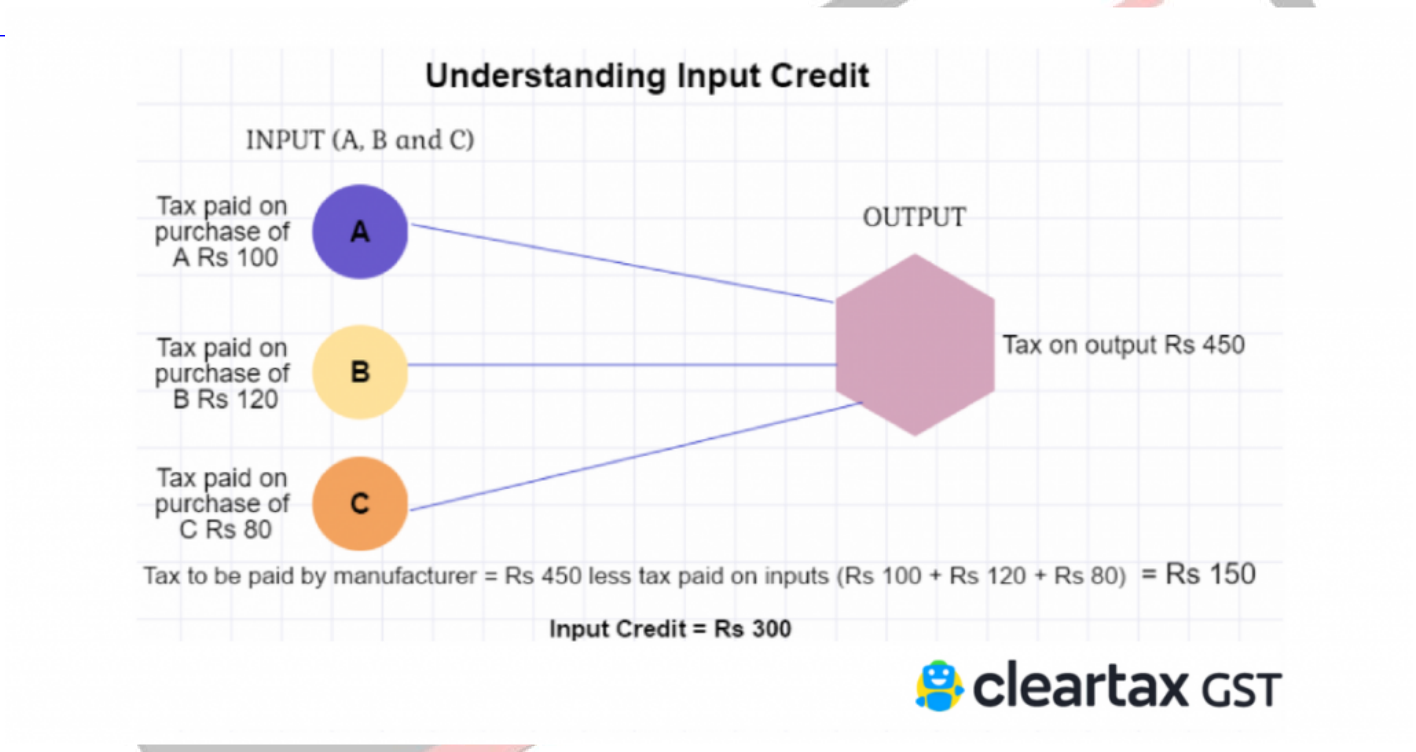

- **ITC का उपयोग करके करों के कैस्केडिंग से बचना:** करों का कैस्केडिंग तब होता है, जब किसी उत्पाद पर कर लगाया जाता है, और **उसके बाद उस उत्पाद के कर मूल्य पर कर लगाया जाता है** जिससे कराधान की कई परतों का निर्माण होता है।
  - GST से पूर्व की कर प्रणाली में, केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए कर **(जैसे केंद्रीय उत्पाद शुल्क) का उपयोग** राज्य सरकारों द्वारा लगाए गए करों **(जैसे वैट) की भरपाई के लिये नहीं किया** जा सकता था। वैट न केवल उत्पाद के मूल्य पर लगाया जाता था, बल्कि कीमत में शामिल कर (उत्पाद शुल्क) पर भी लगाया जाता था।
  - चूँकि GST में अधिकांश केंद्रीय और राज्य अप्रत्यक्ष करों को एक ही कर में **समाहित कर दिया गया है, इसलिये** एक चरण में चुकाए गए कर का उपयोग बाद के चरणों में **देय कर की आपूर्ति के लिये किया जा सकता है।** इससे यह सुनिश्चित होता है कि कर केवल प्रत्येक चरण में जोड़े गए मूल्य पर ही चुकाया जाता है, न कि पिछले करों सहित संपूर्ण लागत पर।
- **ITC का प्रभाव:** GST के अंतर्गत ITC की शुरुआत से आपूर्ति शृंखला में **अधिक पारदर्शिता और दक्षता आई है।**
  - चूँकि प्रत्येक चरण पर भुगतान किये गए कर को क्रेडिट के रूप में दावा किया जा सकता है, इसलिये व्यवसायों को **उचित दस्तावेज़ीकरण और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है।**
  - ITC तंत्र व्यवसायों पर **समग्र कर बोझ को कम करता है**, जिससे बाज़ार में वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमतें अधिक प्रतिस्पर्द्धी हो जाती हैं।

इनपुट टैक्स क्रेडिट का रिवर्सल क्या है?

- **ITC का रिवर्सल:** ITC के रिवर्सल से तात्पर्य पूर्व में दावा किया गया **इनपुट टैक्स क्रेडिट रद्द करने से है**, जिसमें राशि को उसकी **कर देयता में जोड़ दिया गया है।**
- **ITC रिवर्सल की शर्तें:**
  - **180 दिनों के भीतर चालान का भुगतान न करना:** जारी होने की तिथि से **180 दिनों से अधिक समय तक भुगतान न किये** जाने पर चालान की ITC वापस कर दी जाएगी।
  - **विक्रेता द्वारा ISD को जारी किया गया क्रेडिट नोट:** यदि कोई विक्रेता **इनपुट सेवा वितरक (ISD)** को **क्रेडिट नोट जारी करता है**, इसका अर्थ यह है कि पूर्व में दावा किये गए इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) की राशि कम हो जाएगी।
  - **आंशिक रूप से प्रयुक्त व्यावसायिक इनपुट:** ऐसे मामलों में, जहाँ इनपुट का उपयोग **व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक (व्यक्तिगत) दोनों उद्देश्यों के लिये किया जाता है,** व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिये प्रयुक्त ITC के भाग को आनुपातिक रूप से रिवर्स किया जाना चाहिये।

निष्कर्ष

ITC पर उच्चतम न्यायालय के फैसले में **कार्यात्मकता और अनिवार्यता परीक्षण प्रस्तुत किये गए हैं**, जो रियल एस्टेट क्षेत्र में व्यवसायों के लिये किराए और पट्टे पर इस्तेमाल किये गए विनिर्माण हेतु ITC का दावा करने पर स्पष्टता प्रदान करते हैं। यह निर्णय **पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ावा देता है**, जबकि समग्र कर बोझ को कम करता है, वाणिज्यिक अचल संपत्ति में निवेश और विकास को बढ़ावा देता है।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: GST प्रणाली के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) तंत्र करों के व्यापक प्रभाव को कैसे कम करता है? उदाहरण के साथ समझाइये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न. निम्नलिखित मदों पर विचार कीजिये: (2018)

1. छिलका उतरे हुए अनाज
2. मुर्गी के अण्डे पकाए हुए
3. संसाधित और डिब्बाबंद मछली
4. विज्ञापन सामग्री युक्त समाचार-पत्र

उपर्युक्त मदों में से कौन-सा/से जी.एस.टी. (वस्तु एवं सेवा कर) के अंतर्गत छूट प्राप्त है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (c)

प्रश्न: 'वस्तु एवं सेवा कर (गुड्स ऐंड सर्विसेज़ टैक्स/GST)' के क्रियान्वित किये जाने का/के सर्वाधिक संभावित लाभ क्या है/हैं? (2017)

1. यह भारत में बहु-प्राधिकरणों द्वारा वसूल किए जा रहे बहुल करों का स्थान लेगा और इस प्रकार एकल बाज़ार स्थापित करेगा।
2. यह भारत के 'चालू खाता घाटे' को प्रबलता से कम कर उसके विदेशी मुद्रा भण्डार को बढ़ाने हेतु उसे सक्षम बनाएगा।
3. यह भारत की अर्थव्यवस्था की संवृद्धि और आकार को बृहद् रूप से बढ़ाएगा और उसे निकट भविष्य में चीन से आगे निकल जाने योग्य बनाएगा।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1.2 और 3

उत्तर: (a)

?????:

प्रश्न. वस्तु एवं सेवा कर (राज्यों को क्षतिपूर्ति) अधिनियम, 2017 के तर्काधार की व्याख्या कीजिये। कोविड-19 ने कैसे वस्तु एवं सेवा कर क्षतिपूर्ति निधि (जी० एस० टी० कॉम्पेन्सेशन फन्ड) को प्रभावित और नये संघीय तनावों को उत्पन्न किया है? (2020)

प्रश्न. उन अप्रत्यक्ष करों को गिनाइए जो भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जी० एस० टी०) में सम्मिलित किये गए हैं। भारत में जुलाई 2017 से क्रियान्वित जी० एस० टी० के राजस्व निहितार्थों पर भी टिप्पणी कीजिये। (2019)

प्रश्न. संविधान (एक सौ एक संशोधन) अधिनियम, 2016 के प्रमुख अभिलक्षणों को समझाइए। क्या आप समझते हैं कि यह "करों के सोपानिक प्रभाव को समाप्त करने में और माल तथा सेवाओं के लिये साझा राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराने में" काफी प्रभावकारी है? (2017)

प्रश्न. भारत में माल व सेवा कर (GST) प्रारम्भ करने के मूलाधार की विवेचना कीजिये। इस व्यवस्था को लागू करने में विलम्ब के कारणों का समालोचनात्मक वर्णन कीजिये। (2013)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/functionality-and-essentially-test-for-itc